ब्रेकिंग न्यूज...

नक्सलियों ने किया बुजुर्ग की हत्या

इम्पेक्ट न्यूज. कांकेर

माओवादियों ने आमाबेड़ा थानांतर्गत ग्राम तुमसनार के लगभग 60 वर्षीय ग्राम पटेल की सिर पर डंडे से वार करके हत्या कर दिया। परिजनों ने बताया कि कई बार मना करने के बाद भी पुलिस के लिए मुखबिरी करता था। वहीं पुलिस का कहना है कि बुजुर्ग ग्रामीण पुलिस का मुखबिर नही हो सकता है। हत्या करने का कारण दूसरा हो सकता है, जल्द इस बात का खुलासा किया जाएगा। आमाबेड़ा पुलिस ने अज्ञात माओवादियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक केएल धुव्र ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मृतक पुलिस का मुखबिर नहीं था।

आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण जिले में शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के आकस्मिक अवकाशएअर्जित अवकाश या अन्य अवकाश हेतु अवकाश स्वीकृति की अनुमति जिला कलेक्टर से लिया जाना अनिवार्य है।लेकिन अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा कार्यालयीन समय पर अवकाश स्वीकृति के लिये आवेदन पत्र के साथ सीधे संपर्क किया जा रहा है अथवा कार्यालय प्रमुख या नियंत्रण अधिकारी के अग्रेषित आवेदन पत्र के साथ संपर्क किया जा रहा है। उक्त स्थिति के मद्देनजर इस हेतु कार्यालय प्रमुख या नियंत्रण अधिकारी के द्वारा नस्ती में स्पष्ट अभिमत या अनुशंसा के साथ सम्बन्धित अधिकारी.कर्मचारी का आवेदन पत्र अनुमोदन के लिये कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी में प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

खड़ी ट्रक से टकराई एसयूवी...

2 की मौत, 9 घायल

घायलों को बचाने आ रहे ट्रक चालक के ट्रक से टकराकर एक और की हुई मौत.

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

कोण्डागांव थाना क्षेत्र के ग्राम घोड़ागांव के पास देर रात खड़ी ट्रक में एक चार पहिया वाहन पीछे से जा टकराई। इस घटना में कार चालक की मौत हो गई और कार में बैठे 9 लोग घायल हो गए। घायलों की मदद करने के लिए रुके एक ट्रक चालक के ट्रक में टकराकर एक अन्य ट्रक चालक की मौत हो गई। घटना के बाद कोंडागांव पुलिस ने घायलों को बेहतर उपचार के लिए अस्पताल भेजा, वहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज जगदलपुर के लिए रेफर कर दिया गया। मामले के बारे में जानकारी देते

हुए पुलिस ने बताया कि घोड़ागांव के पास गिट्टी से भरी एक ट्रक सीजी 17 डी 3411 खराब होने के कारण खड़ी थी। तभी जगदलपुर की ओर से भानुप्रतापपुर जा रही टीयूवी वाहन सीजी 18 एम 6594 के चालक सत्यनारायण द्वारा ट्रक में पीछे से जा टकराई। बताया जा रहा है कि टीयूवी वाहन में सवार गौरी शंकर 20 वर्ष, शकुंतला 40 वर्ष, सालु बाई 50 वर्ष, अमित कुमार 9 वर्ष, वेंकट लक्ष्मी 40 वर्ष, अंकित कुमार 20 वर्ष, पपिका 50 वर्ष, निशा 16 वर्ष आदि घायल हो गए। घटना को देखकर रायपुर से जगदलपुर की ओर से आ रही एक ट्रक एपी 16 सी एच 2759 के चालक मदद के लिए उतर गया और घायलों को बाहर निकाल रहा था कि तभी रायपुर की ओर से आ रही एक और ट्रक सीजी 17 जी 0710 का चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और ट्रक में जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। चालक का नाम अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस गाड़ी नंबर के आधार पर मालिक का नाम पता कर उससे चालक की जानकारी लेने में जुट गया है। हादसे में सत्यनारायण की मौत हो गई है। परिजनों ने बताया कि दो वाहनों में परिजन अपनी बेटी के लिए जो रिश्ता तय किए थे उसका घर देखने के लिए सभी जा रहे थे, लेकिन रात में अचानक सत्यनारायण को घोड़ागांव के पास खड़ी ट्रक दिखाई नहीं दी। जिससे बड़ा हादसा घट गया। फिलहाल सभी घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

हॉस्टलों के बच्चों की सम्पूर्ण जिम्मेदारी अधीक्षकों की...

अपने बच्चों की तरह करें शिक्षा और पालन-पोषणः कलेक्टर

इम्पेक्ट न्यूज. सुकमा

कलेक्टर चंदन कुमार ने कहा कि जिले के सभी पोटाकेबिन, आश्रम, छात्रावास और कस्तुरबा विद्यालयों में निवासरत पढ़ाई कर रहें बच्चों की समुचित देखभाल उनकी शिक्षा-दिक्षा की जिम्मेदारी संबंधित संस्था के अधीक्षक की है। अधीक्षक छात्रावासी छात्रों की देखरेख करें कलेक्टर ने कहा कि हॉस्टल शासन के नियमानुसार ही संचालित हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होने हॉस्टलों में अनुशासन पर विशेष जोर दिया है। कलेक्टर ने आज यहां कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में जिले के हास्टलों के अधीक्षकों बैठक लेकर छात्रावासों की व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि हॉस्टल में रह रहें छात्र बिना अनुमति के छात्रावास से बहार नही जाए यह सुनिश्चित हों उन्होने कहा कि अधीक्षक छात्रावासी छात्रों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत् प्राधिकृत व्यक्ति से मिलने दें और कही छात्रों को छुटट्री पर बहार जाना हो तो प्राधिकृत व्यक्ति को ही छात्रों को सौंपा जाए कलेक्टर ने जिले के हॉस्टलों की व्यवस्था के संबंध में अधीक्षकों को निर्देश दिए है कि छात्रावासों में टॉयलेट की साफ-सफाई पर्याप्त रोशनी स्वच्छ पेयजल ताजा एवं स्वच्छ भोजन जरूरी है कलेक्टर ने छात्रावासों में मीनू चार्ट बनाने और उसका पालन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सभी बच्चों का नेत्र परिक्षण तथा बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परिक्षण होना जरूरी है इस संबंध में समुचित कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए है। बैठक में जिले के पोटा केबिन आश्रमए कस्तुरबा विद्यालय और छात्रावास के अधीक्षकों के साथ सहायक अधीक्षक और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

बीपीएल परिवारों के बच्चों को प्रवेश 20 जून तक

शिक्षा का अधिकार कानून के तहत निजी स्कूलों में बीपीएल परिवारों के बच्चों को 25 फीसदी सीटों पर प्रवेश देने के लिए कोशिश चल रही हैं और जिला शिक्षा अधिकारी एचआर सोम ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रक्रिया अभी भी चल रही है और इस योजना के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जायेगा। अभी अभियान चल रहा है और प्राप्त आवेदनों की छंटनी की जा रही है.

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

इस अभियान के तहत 15 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथी थी, जिसमें बस्तर जिले के 153 स्कूलों में तय सीटों में 25 फीसदी सीटों पर गरीब परिवारों के बच्चों को प्रवेश दिया जाना है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में जिले की स्कूलों में 2654 सीटें हैं, जिसके लिए 2749 आवेदन आए हैं, लेकिन कई आवेदन आधे-अधूरे और अपात्र होने के चलते छंटनी में ही बाहर हो जायेंगे और आवेदनों की संख्या कम हो जाएगी।

जानकारी के अनुसार कई स्कूलों के लिए एक भी आवेदन पत्र प्रवेश के लिए नहीं आया है। ऐसे में अधिकांश स्कूलों की सीटें पूरी तरह भर भी नहीं पाएंगी। 15 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन के बाद इन आवेदनों की छंटनी 25 अप्रैल तक की जायेगी। आधे-अधूरे आवेदनों को पूरा करने 26 से 30 अप्रैल तक का समय प्राप्त होगा और इसके बाद 2 मई को पूरी तरह से भरे गए आवेदनों की ऑनलाइन लॉटरी पद्धति से चुनाव किया जाएगा, जिसके बाद 3 मई से 20 जून तक प्रवेश के बाद 21 से 25 जून तक चयनित छात्रों की जानकारी पोर्टल में दर्ज करने का समय दिया जाएगा।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

प्राथमिक शाला धाकड़पारा में पृथ्वी दिवस का हुआ आयोजन

इम्पेक्ट न्यूज. कोण्डागांव

विश्व पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल प्राथमिक शाला धाकड़पारा में बच्चों ने प्राकृतिक धरोहरों जैसे नदी, झरन, हरे-भरे वन पहाड़ जीव जन्तु लुप्त प्राय प्रजातियों के संरक्षण के उदेश्य से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सयोंजक शिक्षिका मधु तिवारी ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर वन्य जीवों पशु पक्षियों के पर्यावरण सरंक्षण में भूमिका पर प्रकाश डालते हुऐ बताया की 2019 के पृथ्वी दिवस की थीम संकटग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण है। भारत वर्ष जैव सम्पदा की दृष्टि से समृद्धतम देशो में है। विश्व के लगभग चालीस प्रतिशत जीव जन्तु भारत में पाये जाते है। लेकिन इंसानी लालच व वनों की अंधाधून कटाई से प्रजातियों में बडी तेजी से गिरावट आ रही हैं। भारत में शेर, गैंडा, सफेद तेदुंआ, कस्तुरी हिरण, नीलगीरि लंगुर, लघुपुंछ बन्दर, चिम्पैजी, सोन चिड़िया, मगरमच्छ, बतख, अजगर, बारहासिंगा, डाल्फिन, गौरइया आदि अनेक पक्षी लुप्त सूची में अंकित किये जा चुके है। चित्रकोट जलप्रपात में इन्द्रावती नदी का पानी सूख जाना नदियों की दूर्दशा का ताजा उदहारण है, जो हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमें सचेत करता है। शिक्षिका मधु ने सभी बच्चों को प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण की शपथ भी दिलाई। बच्चों के सूखी धरती करे पुकार, वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार एवं कड़ी धूप है जलते पांव होगें पेड़ तो मिलेगी छांव जैसे नारों के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

मुझसे पूछे बिना जलप्रपात के लिए डेम से पानी कैसे छोड़ा गयाः विधायक

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

नारायणपुर विधायक चंदन कश्यप ने कहा कि मैं क्षेत्र का विधायक हूं, लेकिन एक बार भी मुझसे नहीं पूछा गया कि हम इस डेम का पानी पर्यटन उद्योग को बढ़ाने इंद्रावती के रास्ते चित्रकोट तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोज मेरे पास आसपास गांव के ग्रामीण आते हैं और कहते हैं कि हमारे गांव में पाइप लाइन बिछा हुआ है, किंतु अफसर अभी तक पानी नहीं छोड़ रहे हैं, फिर अचानक मुझसे पूछे बगैर कोसारटेडा का पानी इंद्रावती में छोड़ दिया गया, यह मेरी समझ से परे है। मेरे विधानसभा की आम लोगों की पेयजल समस्या को एकतरफा दरकिनार कर यह निर्णय लिया गया है। चंदन कश्यप ने कहा कि बस्तर के प्रमुख पर्यटन स्थल चित्रकोट वाटरफॉल को बचाने की कोशिश में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उड़ीसा से क्या बातचीत की गई, इसका तो खुलासा अभी तक बस्तर जिला प्रशासन ने नहीं किया है, किंतु आनन-फानन में चित्रकोट जलप्रपात के लिए इंद्रावती नदी के कोसारटेडा बांध से पानी छोड़े जाने के निर्णय से मैं अचंभित और हैरान हूं। उन्होंने साफ कहा की पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना अच्छी बात है, किंतु मेरे विधानसभा क्षेत्र के निवासी पेयजल संकट का सामना करें, यह मुझे मंजूर नहीं है। श्री कश्यप ने आगे होकर कहा कि मेरे क्षेत्र के हेडपंप का जल स्तर गिर रहा है, वह सूख रहे हैं। निस्तारी की समस्या खड़ी है, किंतु ऐसा निर्णय लिया जाना समझ से परे है। पानी कोसारटेडा से छोड़ा गया, किंतु वह मुख्य नहर के माध्यम से नदी तक पहुंचा किस प्रकार, इसकी अभी तक क्षेत्र के सिंचाई विभाग के अफसरों द्वारा कोई जानकारी नहीं दी गई है। पूरा पानी नाली नहर के माध्यम से आसपास फैल रहा है, अभी आचार संहिता के कारण मैं चुप हूं, इसके बाद में सभी की खबर लूंगा। मेरे विधानसभा की जनता पेयजल संकट से जूझ रही है और प्रशासन मुझसे पूछे बगैर पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने चित्रकोट जलप्रपात को पानी दे रहा है, यह कहां का इंसाफ है। पानी छोड़े जाने के संबंध में कलेक्टर से किसी भी प्रकार की चर्चा हुई के जवाब में उन्होंने कहा कि नहीं, इस बारे में मुझसे कोई चर्चा नहीं की गई है।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक...

ग्रीष्मकाल में पेयजल की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करें: कलेक्टर

इम्पेक्ट न्यूज. दंतेवाड़ा

जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित किया जाये। इस दिशा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और नगरीय निकायों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित कर पेयजल आपूर्ति के लिये माकूल इंतजाम किया जाये। जिले में विभिन्न मदों के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों को दुरुत गति से संचालित कर नियत समयावधि में पूर्ण किया जाये। उक्त निर्देश कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा ने कलेक्टोरेट के सभागार में आयोजित समय-सीमा की बैठक के दौरान अधिकारियों को दिया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सच्चिदानंद आलोक सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के अलावा जिले में पदस्थ तहसीलदारए सीईओ जनपद पंचायत और नगरीय निकायों के सीएमओ मौजूद थे। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा ने बैठक में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों सहित नगरीय इलाकों में पेयजल संसाधनों तथा पेयजल आपूर्ति के बारे में विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित किया जाये। इस दिशा में नल-जल योजनाओंए जल प्रदाय योजनाओं और सोलर डयूल पम्पों एवं हैंडपंपों का समुचित संधारण करने सहित सुचारू रूप से संचालित किया जाये। वहीं मरम्मत योग्य सोलर डयूल पम्पों तथा हैंडपंपों का समयबद्ध ढंग से सुधार किया जाये। कलेक्टर श्री वर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सोलर डयूल पम्पों एवं हैंडपंपों के संधारण और मरम्मत के लिये हरेक जनपद पंचायत में शिकायत पंजी रखे जाने सहित सरपंच-सचिवों तथा ग्रामीणों से प्राप्त पेयजल सम्बन्धी शिकायतों को उक्त पंजी में दर्ज किये जाने कहा। उन्होने कहा कि इस हेतु गावों में मुनादी के जरिये प्रचार-प्रसार कराया जाये और ग्रामीणों को पेयजल सम्बन्धी दिक्कतों के बारे में जनपद पंचायत में सूचना देने समझाईश दी जाये। इसके साथ ही जिला स्तर पर गठित पेयजल सम्बन्धी कन्ट्रोल रूम में शिकायत दर्ज किया जाये। इन दोनों स्थानों में दर्ज पेयजल सम्बन्धी शिकायतों को नियत समय पर त्वरित गति से निराकरण किया जाये। कलेक्टर श्री वर्मा ने सोलर डयूल पम्पों और हैंडपंपों के सुधार के लिये आवश्यक स्पेयर-पार्ट्स एवं पाईप इत्यादि की उपलब्धता की जानकारी ली और सुधार योग्य पम्पों का मरम्मत तय समय-सीमा में सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देशित किया। वहीं नगरीय इलाकों में जरूरत के अनुरूप टैंकरों के माध्यम से भी पेयजल की आपूर्ति किये जाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने अधिकारियों को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों सहित नगरीय इलाकों में पेयजल व्यवस्था पर सतत निगरानी रखे जाने के साथ ही शिकायतों का त्वरित निराकरण किये जाने का निर्देश दिया। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले के अंतर्गत तेंदूपत्ता खरीदी के बारे में जानकारी ली और ग्रामीणों को तेंदूपत्ता तुड़ाई के लिये प्रोत्साहित किये जाने का निर्देश दिया। उन्होंने इस हेतु कहा कि ग्रामीण प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों और वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से ग्रामीणों को तेंदूपत्ता की समय पर तुड़ाई करने के लिये समझाईश दी जाये। जिससे गुणवत्तापूर्ण तेंदूपत्ता का संग्रहण हो सके और ग्रामीणों को समुचित फायदा मिल सके। बैठक के दौरान कलेक्टर वर्मा ने निर्माण कार्यों को तेजी के साथ संचालित करने पर बल देते हुए कहा कि जिले में विभिन्न मदों से स्वीकृत सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों को नियमित रूप से संचालित किया जाये। इसके साथ ही इन निर्माण कार्यों का निरंतर मॉनिटरिंग कर अद्यतन प्रगति लाने सहित नियत समयावधि में पूर्ण किया जाये। बैठक में समय-सीमा के प्रकरणों को त्वरित निराकृत करने सहित शासन से प्राप्त पत्रों का जवाब तत्काल दिये जाने अधिकारियों को निर्देशित किया गया। वहीं सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को नियत समयावधि के भीतर वेतन देयक कोषालय में जमा किये जाने निर्देशित किया गया।

ढाई लाख घरों में एक साथ शुरू होगा गायत्री महायज्ञ

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

शांतिकुंज हरिद्वार युग निर्माण योजना तहत कई कार्यक्रम चला रहा है। इसी अभियान के तहत शांतिकुंज गायत्री जयंती पर 2 जून को देशभर में 2 लाख 40 हजार घरों में एक साथ और एक समय में गायत्री महायज्ञ किया जाएगा। इसकी तैयारियों के लिए शांतिकुंज से जुड़ी देशभर की गायत्री शक्तिपीठों, प्रज्ञा पीठों और प्रज्ञा संस्थानों में प्रशिक्षण चल रहा है। शांतिकुंज मुख्यालय के अनुसार गायत्री परिवार के संस्थापक पं श्रीराम शर्मा आचार्य की दो जून को 29वीं गायत्री जयंती पर करीब ढाई लाख घरों में हवन, पूजन का कार्यक्रम होगा। प्रत्येक घर में एक आचार्य और उपाचार्य हवन कराएंगे। एक साथ व एक समय में यज्ञ की यह अनूठी पहल है। इस कार्यक्रम के तहत बस्तर संभाग के बीजापुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले में यह यज्ञ करवाया जाएगा । इस यज्ञ में 100 परिवार एक साथ राष्ट्र को समर्थ बनाने के लिए प्रार्थना करेंगे। गायत्री परिवार के प्रमुख लेखराम साहू ने बताया कि इस अनूठी पहल का उद्देश्य वातावरण परिशोधन, समग्र स्वास्थ्य, मानवीय गुणों का विकास, सकारात्मक ऊर्जा संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण है। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार वर्ष 2019 को गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ उपासना वर्ष के रूप में मना रहा है। इस अभियान के माध्यम से मां गायत्री और सत्कर्म के प्रतीक यज्ञ देव के माध्यम से घर-घर देव स्थापना और घर-घर गायत्री उपासना से लोगों को जोड़कर देव संस्कृति के विस्तार के लिए यह योजना व्यापक स्तर पर बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरुआत 2017-18 मध्यप्रदेश के भोपाल में 51 परिवारों से की गई थी।

बविवि में एमएससी एवं पीजीडीसीए की क्लासें होंगी शुरू

जगदलपुर। इस वर्ष से बस्तर विश्व विद्यालय यहां के विद्यार्थियों के लिए नये कोर्स की एमएससी सूचना व पीजीडीसीए के पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है और इनकी कक्षायें नियमित रूप से लगेंगी। इस प्रकार इन पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को रायपुर या अन्य स्थानों में नहीं जाना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार इस नए सत्र से विद्यार्थियों को दो नए कोर्स के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी। यूनिवर्सिटी प्रबंधन छात्रों के लिए बीयू के अध्ययनशाला में पीजीडीसीए और एमएससी इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी का कोर्स शुरू करने जा रहा है। इन नए कोर्सों के अध्ययन के लिए शासकीय अनुमति मिल गई है और जुलाई से छात्र इन संकायों में एडमिशन ले पाएंगे। जो दो नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं इनकी मांग छात्रों के मध्य अधिक है। पीजीडीसीए का अध्ययन तो पहले से ही बस्तर के कई महाविद्यालयों में चल रहा है, लेकिन एमएससी इन्फॉरमेशन टेक्नालॉजी का अध्ययन बस्तर के किसी भी सरकारी या निजी कॉलेज में नहीं था।

मेकाज के सफाई कर्मियों को 3 माह ने नहीं मिला वेतन

इम्पेक्ट न्यूज. जगदलपुर

मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा और सफाई की जिम्मेदारी एक निजी कंपनी के हाथों में है। इन कंपनियों ने प्लेसमेंट में यह गार्डों और सफाई कामगारों की नियुक्ति की है। ऐसे में ये कंपनियां अपने कर्मचारियों को पिछले तीन महीनों से वेतन का भुगतान नहीं कर रही है। वेतन नहीं मिलने के कारण जब कर्मचारी अफसरों से पूछ रहे हैं तो अफसर दो टूक शब्दों में कह रहे हैं कि सरकार की ओर से उन्हें पैसे नहीं मिले हैं ऐसे में वे वेतन का भुगतान नहीं कर सकते हैं। कर्मचारी पिछले तीन महीनों से पैसे मिलने की उम्मीद में हर दिन ड्यूटी पर आ रहे हैं पर उन्हें पैसे नहीं मिल पा रहे हैं। इधर हास्पिटल सूत्रों ने बताया कि गार्डों और सफाई कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने का फायदा उनके साथ के कुछ लोग उठाने लगे हैं और अभी ब्याज में उन्हें पैसे उपलब्ध करवा रहे हैं। हास्पिटल में एक हजार रुपए के बदले 12 सौ रूपए वापस लेने की शर्त पर कर्मचारियों को दूसरे कर्मचारी पैसे दे रहे हैं।

इधर कंपनियों के अफसरों ने बताया कि ठेका लेने के दौरान जो एग्रीमेंट बनाया गया है उसमें स्पष्ट जब तक शासन पैसों का भुगतान नहीं करेगी तब तक वे कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं करेंगे। ठेकेदारों को ठेका श्रमिकों को अपनी जेब से पैसों का भुगतान करना होता है लेकिन जिस दौरान ठेके की शुरूआत हुई थी उस दौरान इस तरह का एग्रीमेंट नहीं होने के कारण स्थानीय अफसर भी कंपनियों पर दबाव नहीं डाल पा रहे हैं। मेकाज के अधीक्षक ने बताया कि गार्ड और सफाई कामगारों को शासन से सीधा एग्रीमेंट है फिर भी कंपनियों से कह जा रहा है कि वो कर्मचारियों का वेतन जल्द ही जारी करें।

स्वामी एम्बिशस् प्रिंटर्स के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक विनोद सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स, अनंत विहार कॉलोनी, दलदल सिवनी मार्ग मोवा, रायपुर छग से मुद्रित एवं टेंपल काम्प्लैक्स-13, मेन रोड दंतेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित, संपादक-सुरेश महापात्र* पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।